श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाजार गांव जिला नागपुर

महान् धरा के नाम की सत्यता को उजागर करता महाराष्ट्र भारत का बहुत ही सुन्दर प्रदेश है। यहाँ विभिन्न धर्मों के सैकड़ों सूफी, संतों की समाधियाँ एवं गुफा मंदिर स्थित हैं। भारत का केन्द्र बिन्दु और महाराष्ट्र का गौरव नागपुर शहर जिसका अपना अलग ही आकर्षण है और यहाँ से कई राजमार्ग जैसे; नागपुर से रायपुर, जबलपुर, बैतूल, निजामाबाद, अमरावती, अकोला इत्यादि निकलते हैं।

तो आईये चलें देखें एक अति प्राचीन अतिशय क्षेत्र के दर्शनार्थ नागपुर अमरावती रोड पर स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाजार गांव जो कि नागपुर से 35 किमी. दूर स्थित है।

यह क्षेत्र जहाँ 6 शिखरयुक्त में 9 वेदियाँ विराजमान हैं। कहते हैं यह 1000 वर्ष पुराना जैन मंदिर है। जहाँ पूर्व में कई जैन परिवार रहा करते थे। एक बार ऐसी भयानक बीमारी फैली और जैन बंधु इस गांव को छोड़कर अन्य जगह चले गये। आज यहाँ पर एक भी जैन परिवार नहीं रहता है। यहाँ कार्यरत मंदिर के मैनेजर एवं पुजारी ही परिवार सहित रहकर इस क्षेत्र की देख-रेख कर रहे हैं। जिसकी प्रबंध व्यवस्था श्री दिगम्बर जैन भगवान महावीर इतवारी के अंतर्गत है। श्री 108 सुपार्श्वनाथ भगवान की सातिशय चमत्कारी मूर्ति होने से यह अतिशय क्षेत्र है।

अतिशय- 1. एक भी जैन परिवार नहीं होने के बावजूद 1000 वर्ष हो जाने तथा मुसलमानों की बस्तियों के बीच आज भी पूर्णतया सुरक्षित हैं।

2. जिस समय यहाँ पंच कल्याण हुआ था सुपार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमाजी को दो आदमी बैलगाड़ी में रखकर जाये थे, परन्तु पंच कल्याणक के बाद इस मूर्ति को जब समीपवर्ती रामटेक में विराजित करने के लिए जाने का समय आया तो दस आदमी भी उसे उठा नहीं सके और मूर्ति जरा-सी भी टस-से-मस नहीं हुई और मूर्ति यहाँ ही विराजित की गई, जब से लगातार अतिशय होते रहते हैं।

3. मध्यरात्रि के उपरान्त इस प्रतिमा का अतिशय, मंदिर की घंटियों के साथ, घुंघरूओं एवं गंधर्व गान जैसे स्वर सुनाई देते हैं।

ऐसे अतिशयकारी के परिभ्रमण करने से जहाँ एक ओर धार्मिक आस्था निर्मित होती है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक रमणीय दृश्यों को देखकर मन पुलकित हो उठता है। जीवन में एक बार दर्शन लाभ के साथ पुण्य अर्जित करने का सौभाग्य प्राप्त कर जीवन को धन्य बना सकते हैं।

समीपवर्ती क्षेत्र/जिनालय- 1. यहाँ से 13 किमी. दूर हाइवे पर व्याहाड गांव है जो कि 14 माइल के नाम से भी प्रसिद्ध है। मल्लिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर है।

2. रामटेक, पारशिवनी, कामठी, नागपुर के जैन मंदिरों के दर्शन लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं।

ठहरने के लिए धर्मशाला है तथा पूर्व सूचना पर भोजन व्यवस्था उपलब्ध हो जाती है।

सम्पर्क सूत्र- मैनेजर श्री नरेन्द्र कुमार जैन

फोन- 07118-277418